PRINCE SCHOOL

Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class VI to XII (Science, Commerce, Arts & Agriculture

Piprali Circle, Sikar-332001 (Raj.), Helpline : 9610642222, 961067-2222

Website- www.princeeduhub.com, E-mail : princepipraliroad@gmail.com

Class - XII

Maximum Time - 03 : 15 Hrs. **Subject - Hindi** **Maximum Marks : 80**

MODEL PAPER - 01 : (SESSION : 2024-25)

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए–

(i) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के रचयिता कौन हैं ? 1

(अ) सुमित्रानंदन पंत (ब) फणीश्वर नाथ रेणु
(स) महादेवी वर्मा (द) सुभद्रा कुमारी चौहान

(ii) समाज परंपरागत तरीकों से किस कारण से परिवर्तित हो रहा है? 1

(अ) शिक्षा के कारण (ब) गरीबी की कारण
(स) बेरोजगारी के कारण (द) आधुनिक तकनीक के कारण

(iii) ऐसे <u>विषम प्रतिद्वंद्वियों</u> की स्थिति कल्पना में भी दुर्लभ है। पंक्ति में रेखांकित शब्द का अर्थ है – 1

(अ) भक्तिन व महादेवी वर्मा (ब) जिठानियाँ व भक्तिन
(स) जेठ व भक्तिन (द) भक्तिन व जिठौत

(iv) 'छोटा मेरा खेत' कविता में किसकी कटाई की बात कही है? 1

(अ) अंकुर की (ब) अनंतता की
(स) समय की (द) फसल की

(v) शैशव का सुकुमार शरीर किस में भी हँसता रहता हैं? 1

(अ) रोग शोक में (ब) गर्जना में
(स) सुख में (द) निराशा में

(vi) 'कवितावली' में प्रयुक्त छंद है – 1

(अ) दोहा (ब) सोरठा
(स) कवित्त (द) चौपाई

(vii) 'जूझ' नामक आत्मकथात्मक उपन्यास में लेखक को पहली बार 'आनंदा' कहकर जिसने पुकारा वह है– 1

(अ) मंत्री (ब) अनंत काणेकर
(स) माँ (द) सौंदलगेकर

(viii) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में मैनन कौन है? 1

(अ) यशोधर बाबू का भानजा (ब) यशोधर बाबू का साला
(स) कार्यालय कर्मचारी (द) इनमें से कोई नहीं

(ix) संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा स्वीकार करने की तिथि व वर्ष है – 1

(अ) 14 सितम्बर, 1949 (ब) 15 सितम्बर, 1950
(स) 15 अगस्त, 1950 (द) 14 नवम्बर, 1949

(x) महादेवी वर्मा द्वारा पाले गए कुत्ते का नाम था – 1

(अ) सोना (ब) बसंत

(स) गोधूलि (द) आलोक

(xi) समाचार के ककार होते हैं :– 1

(अ) पाँच (ब) छः

(स) सात (द) आठ

(xii) मीडिया की भाषा में किसी खबर को क्या कहा जाता है? 1

(अ) समाचार (ब) स्टोरी

(स) खबरें (द) प्रसारण

(xiii) **'क़' एक है –** 1

(अ) गृहीत व्यंजन (ब) गृहीत स्वर

(स) गृहीत सर्वनाम (द) गृहीत विशेषण

(xiv) 'जूझ' पाठ के लेखक को शिक्षा से पुनः जोड़ने में किसका योगदान था – 1

(अ) दत्ताजी राव देसाई (ब) रणनवरे मास्टर

(स) मास्टर मंत्री (द) वसन्त पाटिल

(xv) सिन्धुघाटी सभ्यता मूलतः थी – 1

(अ) व्यापारिक सभ्यता (ब) औद्योगिक सभ्यता

(स) खेतिहर एवं पशुपालक (द) पर्यटन प्रधान सभ्यता

(xvi) ''अरे ये वैडिंग एनीवर्सरी वगैरह सब गौरे साहबों के चोंचले हैं।'' कथन है – 1

(अ) किसन दा (ब) चड्ढा साहब

(स) यशोधर बाबू (द) मेनन

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –**

(i) **'QUARTERLY' शब्द के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द ..... है।** 1

(ii) **'ज्ञापन' शब्द के लिए अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द ..... है।** 1

(iii) अभिधा, लक्षणा अपने अर्थ का बोध कराकर जब अलग हो जाती है तब जिस शब्द–शक्ति द्वारा अर्थ प्रकट होता है उसे ..... शब्द शक्ति कहते हैं। 1

(iv) मोहन सदा चौकन्ना रहता है। वाक्य में ..... शब्द शक्ति हैं। 1

(v) **यदि किसी कथन का श्रोता द्वारा जानबूझकर भिन्न अर्थ ग्रहण किया जाए, वहाँ ..... अलंकार होता हैं।** 1

(vi) **कानन कठिन भंयकर भारी।**
घोर घाम हिम बारि बयारी।।
उपर्युक्त पंक्ति में ..... अलंकार है। 1

3. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

विश्व के प्रायः सभी धर्मों में अहिंसा के महत्त्व पर बहुत प्रकाश डाला गया है। भारत के सनातन हिन्दू धर्म और जैन धर्म के सभी ग्रंथों में अहिंसा की विशेष प्रशंसा की गई है। 'अष्टांगयोग' के प्रवर्त्तक पतंजलि ऋषि ने योग के आठों अंगों में प्रथम अंग 'यम' के अन्तर्गत 'अहिंसा' को प्रथम स्थान दिया है। इसी प्रकार 'गीता' में भी अहिंसा के महत्त्व पर जगह–जगह प्रकाश डाला गया है। भगवान महावीर ने अपनी शिक्षाओं का मूलाधार अहिंसा को बताते हुए 'जिओ और जीने दो' की बात कही है। अहिंसा मात्र हिंसा का अभाव ही नहीं अपितु किसी भी जीव का संकल्पपूर्वक वध नहीं करना और किसी जीव या प्राणी को अकारण दुःख नहीं पहुँचाना है। ऐसी जीवन–शैली अपनाने का नाम ही 'अहिंसात्मक जीवन–शैली' है। अकारण या बात–बात में क्रोध आ जाना हिंसा की प्रवृत्ति का एक प्रारंभिक रूप है। क्रोध मनुष्य को अंधा बना देता है, यह उसकी बुद्धि का नाश कर उसे अनुचित कार्य करने को प्रेरित करता है, परिणामतः दूसरों को दुःख और पीड़ा पहुँचाने का कारण बनता है।

(i) 'अष्टांग योग' के प्रवर्त्तक कौन हैं और उन्होंने अपने ग्रंथ में किसे महत्त्व दिया है? 1

(ii) 'अहिंसा' से क्या तात्पर्य है ? 1

(iii) हिंसात्मक प्रवृत्ति का रूप किसे और क्यों बताया गया है ? 1

(iv) अहिंसात्मक जीवन शैली किसे कहा गया है ? 1

(v) अहिंसा की विशेष प्रशंसा कहाँ की गई है ? 1

(vi) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए। 1

4. **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कीजिए :–**

हे ग्राम देवता! नमस्कार
सोने–चाँदी से नहीं किन्तु
तुमने मिट्टी से किया प्यार!
हे ग्रामदेवता! नमस्कार!
जन कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा–सा निवास,
रवि–शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश
श्रम वैभव के बल पर करते हो
जड़ चेतन में विकास,
गर्मी वर्षा हो या कि ठंड।
सौ–सौ दानों के हरे हास,
यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की धवल धारा,
हे ग्राम देवता! नमस्कार
अधखुले अंग जिनमें केवल
है कसे हुए कुछ अस्थि खंड
जिनमें दधीचि की हड्डी है
यह वज्र इंद्र का है प्रचंड
जो है गतिशील सभी ऋतु में
दानों–दानों में फूट रहे

(i) कवि किस को नमस्कार करता है ? 1
(ii) कवि ग्राम देवता को नमस्कार क्यों करता है ? 1
(iii) जन कोलाहल से दूर कैसा निवास है ? 1
(iv) ग्राम देवता जड़–चेतन में विकास कैसे करता है ? 1
(v) कवि ने किस की हड्डियों के बारे में बताया है ? 1
(vi) सभी ऋतुओं में गतिशील किसे बताया है ? 1

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :–

5. 'ऊपर से ठीक–ठाक पर अंदर से न तो उसमें कसाव था, न ताकत।' प्रस्तुत पंक्ति से क्या तात्पर्य है? 2
6. ''जीवन में कभी–कभी अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है।'' 'भक्तिन' पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है? 2
7. रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा और शैली से आप क्या समझते हैं ? 2
8. आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों तथा मुअनजो–दड़ो के नगर नियोजन में समानता व असमानता स्पष्ट कीजिए। 2
9. 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु सभ्यता की खेती का वर्णन कीजिए। 2

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 सें 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिये तथा 14 एवं 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

10. 'मनुष्य का मन बंद नहीं रह सकता।' इस कथन की सत्यता में लेखक जैनेंद्र कुमार कौनसे तर्क दिए हैं ? 3

अथवा

क्या कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी है, अथवा उसका कोई स्वतंत्र मूल्य भी है ? अपने उत्तर के पक्ष में प्रमाण दीजिए।

11. ''दुनिया में हूँ, दुनिया का तलबगार नहीं हूँ, बाज़ार से गुजरा हूँ; खरीददार नहीं हूँ।'' हरिवंशराय बच्चन के इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। 3

अथवा

''कैमरे में बंद अपाहिज'' कविता में कवि ने धुर संवेदनहीनता को रेखांकित करने का तरीका अपनाया है। कथन की सहमति तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

12. वर्तमान समय मे परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े अपने अनुभव 'सिल्वर वैडिंग' कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं? समझाइए। 3

अथवा

'मुअनजो–दड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का केन्द्र रहा होगा।' कैसे? प्रस्तुत कथन को सिद्ध कीजिए।

13. फणीश्वर नाथ 'रेणु' **अथवा** आलोक धन्वा का परिचय दीजिए। 3
14. फीचर व समाचार में अंतर लिखिए। 3

अथवा

'गाँव नहीं रहे गाँव' विषय पर एक आलेख लिखिए।

खण्ड – द

15. **निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –** 6

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चॉक
मल दी हो किसी ने।

अथवा

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब ये दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले बेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज
एक धागे के सहारे।

16. **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-** 6

'समता' का औचित्य यहीं पर समाप्त नहीं होता। इसका और भी आधार उपलब्ध है। एक राजनीतिज्ञ पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है। अपनी जनता से व्यवहार करते समय, राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है न प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी ही होती है, जिससे वह सबकी अलग-अलग आवश्यकताओं तथा क्षमताओं के आधार पर वांछित व्यवहार अलग-अलग कर सके। वैसे भी आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक तथा औचित्यपूर्ण क्यों न हो, 'मानवता' के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गों व श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता। ऐसी स्थिति में, राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार में एक व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है, कि सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार किया जाए। राजनीतिज्ञ यह व्यवहार इसलिए नहीं करता कि सब लोग समान होते, बल्कि इसलिए कि वर्गीकरण एवं श्रेणीकरण संभव होता।

अथवा

शिरीष के वृक्ष बड़े और छायादार होते हैं। पुराने भारत का रईस जिन मंगल-जनक वृक्षों को अपनी वृक्ष-वाटिका की चहारदीवारी के पास लगाया करता था, उनमें एक शिरीष भी है। (वृहतसंहिता 55,13) अशोक, अरिष्ट, पुन्नाग और शिरीष के छायादार और घनमसृण हरीतिमा से परिवेष्टित वृक्ष-वाटिका जरूर बड़ी मनोहर दिखती होगी। वात्स्यायन ने 'कामसूत्र' में बताया है कि वाटिका के सघन छायादार वृक्षों की छाया में ही झूला (प्रेंखा दोला) लगाया जाना चाहिए। यद्यपि पुराने कवि बकुल के पेड़ में ऐसी दोलाओं को लगा देखना चाहते थे, पर शिरीष भी क्या बुरा है! डाल इसकी अपेक्षाकृत कमजोर जरूर होती है, पर उसमें झूलनेवालियों का वजन भी तो बहुत ज्यादा नहीं होता। कवियों की यही तो बुरी आदत है कि वजन का एकदम खयाल नहीं करते। मैं तुंदिल नरपतियों की बात नहीं कह रहा हूँ, वे चाहें तो लोहे का पेड़ बनवा लें।

17. सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर की ओर से बोर्ड की पाठ्य पुस्तकें क्रय करने की सूचना हेतु विज्ञप्ति तैयार कीजिए। 4

अथवा

प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाड़मेर की ओर से कार्यालय में स्टेशनरी सामग्री क्रय करने हेतु एक निविदा लिखिए।

18. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए। शब्द सीमा (300 शब्द)** 5

(i) राजनीति में स्त्रियों की भूमिका।
(ii) बढ़ता विज्ञान व घटते संस्कार।
(iii) विद्यार्थी जीवन में शिक्षक की भूमिका।
(iv) वीर भोग्या वसुन्धरा : राजस्थान।

****